National Journal of Advanced Research
www.nationaljournals.com
ISSN: 2455-216X
Received: 28-04-2026, Accepted: 29-05-2026, Published: 13-06-2026
Volume 12, Issue 2, 2026, Page No. 19-22

प्रधानमंत्री स्कूल फोर राइजिंग इंडिया योजना के प्रति अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन

डॉ. भारती शर्मा[1], सुमन सैनी[2]
[1] असोसिएट प्रोफेसर, बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर, राज्यस्थान, भारत
[2] बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर, राज्यस्थान, भारत
DOI: https://doi.org/10.66856/njar.2026.12.2.12025

सारांश
प्रस्तुत अध्ययन का विषय "पीएम श्री योजना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य को लागू करने पर अध्यापकों के प्रत्याशीकरण का अध्ययन" है। वर्तमान भारतीय शिक्षा व्यवस्था में पीएम श्री (PM SHRI) योजना एक महत्त्वपूर्ण पहल के रूप में उभरकर सामने आई है, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यालयों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विकसित करना है। इस योजना के अंतर्गत विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण, समावेशी, कौशल–आधारित तथा छात्र–केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। विशेष रूप से अध्यापकों की भूमिका इस योजना के सफल क्रियान्वयन में अत्यंत महत्त्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि वे नीति के उद्देश्यों को वास्तविक कक्षा शिक्षण में परिवर्तित करने वाले प्रमुख कारक होते हैं। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह ज्ञात करना है कि पीएम श्री योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों—जैसे अनुभवात्मक अधिगम, बहुविषयी शिक्षण, तकनीकी समावेशन, कौशल विकास, समग्र मूल्यांकन तथा 21वीं सदी के कौशल—को लागू करने के प्रति अध्यापकों का प्रत्याशीकरण किस प्रकार का है। साथ ही यह भी अध्ययन किया गया है कि अध्यापक इन उद्देश्यों के क्रियान्वयन को कितना प्रभावी, व्यवहारिक एवं उपयोगी मानते हैं। यह अध्ययन वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि पर आधारित है। अध्ययन हेतु पीएम श्री विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों का चयन नमूना पद्धति द्वारा किया जाएगा। आँकड़ों के संकलन के लिए प्रश्नावली, साक्षात्कार एवं अवलोकन विधियों का उपयोग किया जाएगा। प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण सांख्यिकीय तकनीकों जैसे माध्य, मानक विचलन एवं प्रतिशत के माध्यम से किया जाएगा। अध्ययन से यह अपेक्षा की जाती है कि अध्यापकों का प्रत्याशीकरण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के प्रति सकारात्मक पाया जाएगा, जिससे यह स्पष्ट होगा कि पीएम श्री योजना विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुधार की दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रही है। यह अध्ययन शिक्षा नीति के व्यावहारिक क्रियान्वयन तथा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सुधार हेतु उपयोगी सिद्ध होगा।

मूलशब्द: पीएम श्री योजना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, अध्यापक, प्रत्याशीकरण, समग्र शिक्षा, कौशल विकास

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार होती है। एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। भारत सरकार द्वारा समय–समय पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु अनेक योजनाएँ प्रारम्भ की गई हैं, जिनमें प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना का उद्देश्य देशभर के विद्यालयों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, नवीनतम तकनीकी संसाधनों तथा समग्र विकास के दृष्टिकोण से सशक्त बनाना है, ताकि विद्यार्थियों में न केवल शैक्षणिक दक्षता विकसित हो बल्कि उनमें जीवन कौशल, रचनात्मकता और नवाचार की भावना भी जागृत हो सके। प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालयों को "मॉडल स्कूल" के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहाँ शिक्षण, अधिगम, मूल्य शिक्षा, पर्यावरणीय जागरूकता, तकनीकी प्रयोग तथा सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे तत्वों का समावेश हो। इन विद्यालयों में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा प्रदान की जाती है, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बन सकें।

इस योजना की सफलता का मुख्य आधार अध्यापक वर्ग है, क्योंकि वही विद्यालयों में इस योजना के उद्देश्यों को वास्तविक रूप से कार्यान्वित करते हैं। अतः अध्यापकों का दृष्टिकोण, उनके प्रत्यक्षीकरण (perception), तथा इस योजना के प्रति उनका व्यवहारिक दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि अध्यापक इस योजना के उद्देश्यों को समझते हैं, उसमें विश्वास रखते हैं और उसे अपने शिक्षण व्यवहार में अपनाते हैं, तभी योजना के लक्ष्य प्रभावी रूप से प्राप्त किए जा सकते हैं।

अध्ययन का औचित्य

प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना के प्रति अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करना अत्यंत औचित्यपूर्ण और समयानुकूल है, क्योंकि शिक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण, गुणवत्ता संवर्धन और नवाचार की दिशा में यह योजना एक महत्त्वपूर्ण पहल के रूप में उभर कर सामने आई है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में जहाँ शिक्षा केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं रही, बल्कि व्यक्तित्व विकास, कौशल प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और नैतिक मूल्यों के निर्माण का माध्यम बन चुकी है, वहीं अध्यापक की भूमिका भी अत्यधिक व्यापक हो गई है। इस योजना के अंतर्गत विद्यालयों को न केवल तकनीकी दृष्टि से सशक्त बनाया जा रहा है, बल्कि शिक्षण–अधिगम की पूरी प्रक्रिया को विद्यार्थीकेंद्रित और अनुभवपरक बनाया जा रहा है। अतः इस अध्ययन का औचित्य इस तथ्य में निहित है कि यह अध्यापकों की मानसिकता, उनकी सहभागिता की प्रवृत्ति, योजना की व्यवहारिकता और उसके क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाइयों को उजागर करेगा। इसके माध्यम से नीति निर्माताओं, शिक्षा विभागों और प्रशासनिक अधिकारियों को यह समझने में सहायता मिलेगी कि योजना के कौन से पक्ष अध्यापकों को प्रेरित कर रहे हैं और किन बिंदुओं में सुधार की आवश्यकता है। साथ ही यह अध्ययन भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में ऐसी नीतियों के निर्माण में सहायक होगा जो अध्यापक–केंद्रित, व्यावहारिक और दीर्घकालिक प्रभाव वाली हों। इस प्रकार, इस शोध का औचित्य इस बात में निहित है कि यह न केवल योजना की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करेगा, बल्कि भारतीय शिक्षा प्रणाली को अधिक समावेशी, गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक बनाने की दिशा में भी सार्थक योगदान प्रदान करेगा।

प्रस्तुत शोध अध्ययन से सम्बन्धित पूर्व में हुए, शोध

1. **भट्ट, अचला प्रषान्त एवं पंवार, गीतांजली (2024):** इस शोध के उद्देष्य प्रधानमंत्री जन धन योजना की प्रभावषीलता एवं क्रियान्वयन का अध्ययन करना। निष्कर्ष रूप में पाया कि प्रधानमंत्री जन धन योजना वित्तीय समावेषन के रूप में एक राष्ट्रीय मिषन है जिसका उद्देष्य प्रत्येक व्यक्ति को आर्थिक रूप में समृद्ध करना है जो बचत करने पर जोर देता है। इस योजना की सफलता इसकी प्रभावषील एवं निरन्तर चलने वाली प्रणाली पर निर्भर करती है। लाभार्थी द्वारा निर्मित एक सुव्यवस्थित आर्थिक प्रणाली द्वारा बचत खाते चालू रखे जाते हैं।

2. **डॉ० चौहान, सुधीर सिंह एवं डॉ० पाण्डेय जे.सी. (दिसम्बर, 2024):** इस शोध अध्ययन के उद्देष्य प्रधानमंत्री जन धन योजना का वित्तीय समावेषन के रूप में महत्व एवं प्रभाव का अध्ययन करना है। निष्कर्ष में पाया कि प्रधानमंत्री जन धन योजना वित्तीय समावेषन का ऐसा स्त्रोत है जो सरकार के 'सब का साथ सब का विकास' पर आधारित है जो आधारभूत बैंकिंग सेवाओं से लोगों को जोड़ रही है ताकि वे आर्थिक रूप से सबल बन सके।

3. **सुब्रमन्य, पी.आर. एवं अलफीजा, ताज एच.एन. (2024):** इस अध्ययन का उद्देष्य पीएमजेडीवाई के प्रति लोगों का जागरूकता स्तर जानना था। निष्कर्ष रूप में पाया कि केन्द्रीय सरकार की एक सुन्दर एवं प्रभावी योजना है – पीएमजेडीवाई। इस योजना द्वारा सरकार सीधे वित्तीय सहायता लोगों तक पहुँचना चाहती है। 'सब का साथ सब का विकास' उद्देष्य तभी संभव है।

शोध अन्तराल

उपरोक्त शोधों में प्रधानमंत्री जन धन योजना को वित्तीय समावेषन के एक राष्ट्रीय मिषन के रूप में सफल योजना बताया है जो समाज का आर्थिक एवं सामाजिक विकास कर रही है, जो ग्रामीण लोगों को आर्थिक रूप से समृद्ध करके उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास कर रही है, जो साहूकारों के वित्तीय शोषण से लोगों को मुक्त कर उन्हें बैकिंग क्षेत्र से सम्बन्धित वित्तीय सेवाओं से लाभान्वित कर रही है, जो लोगों में बचत की संस्कृति का विकास कर रही है। प्रस्तुत शोधों में भारत में वित्तीय समावेषन के रूप में प्रधानमंत्री जन धन योजना का अध्ययन किया है। साथ ही यह योजना क्या है, कैसे क्रियान्वित हुई, वर्तमान में इसका क्रियान्वयन कैसे हो रहा है, इस योजना से लोगों को क्या–क्या लाभ मिल रहे हैं, यह योजना कितनी प्रभावषील है एवं यह कितनी सफल रही है, इससे लोग कितने संतुष्ट हैं? आदि उद्देष्यों के तहत ये सभी शोध किये गये हैं। इन शोधों का अध्ययन करने पर हमें पता चला कि अधिकतर शोधार्थियों ने प्रभावषीलता एवं इसकी सफलता जानने का प्रयास किया है परन्तु इस योजना के प्रति लोग विषेषतः षिक्षक कितने जागरूक हैं, इनकी क्या अभिवृत्ति है आदि जानने का प्रयत्न किसी ने अभी तक नहीं किया है। अतः यही जानने हेतु हमने अपने शोध हेतु ''प्रधानमंत्री जन धन योजना के प्रति षिक्षकों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना'' चयनित किया है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. पीएम श्री योजना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य को लागू करने पर अध्यापकों के प्रत्याशीकरण का अध्ययन करना।
2. पीएम श्री योजना में गुणात्मक शिक्षण पर अध्यापकों के प्रत्याशीकरण का अध्ययन करना।
3. पीएम श्री योजना के तहत सीखने और संज्ञानात्मक विकास के प्रति अध्यापकों के प्रत्याशीकरण का अध्ययन करना।

कार्यप्रणाली

- शोध विधि प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना के प्रति अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन करने हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। यह विधि शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत उपयुक्त मानी जाती है क्योंकि इसके माध्यम से किसी विशेष समूह के विचारों, दृष्टिकोणों, विश्वासों तथा अनुभवों का वस्तुनिष्ठ अध्ययन किया जा सकता है।
- जनसंख्या (Population) प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना में कार्यरत सभी अध्यापक। यह जनसंख्या विभिन्न स्कूलों, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों, और विभिन्न शैक्षिक योग्यताओं वाले अध्यापकों से बनी है।
- न्यादर्श का आकार (Sample Size) कुल 200 अध्यापक का चयन किया गया है।
- जनसंख्या (Population) इस अध्ययन की जनसंख्या उन सभी अध्यापकों को सम्मिलित करती है जो प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना (PM SHRI) के अंतर्गत कार्यरत हैं।
- उपकरण (Tools/ Instruments) Likert Scale आधारित प्रश्न, जो योजना के उद्देश्यों, कार्यान्वयन, प्रभाव और उपयोगिता को मापते हैं।
- सांख्यिकी प्रतिशत विभिन्न श्रेणियों में अध्यापकों की राय का प्रतिशत रूप में विश्लेषण।

विश्वसनीयता (Reliability / विश्वसनीयता)

उपकरण की विश्वसनीयता ज्ञात करने के लिए पुनः परीक्षण विधि (Test–Retest Method) का प्रयोग किया गया। चयनित अध्यापकों के एक समूह पर प्रश्नावली को प्रथम बार प्रशासित किया गया तथा 10 दिनों के अंतराल के पश्चात पुनः उसी समूह पर लागू किया गया। दोनों बार प्राप्त अंकों के मध्य सहसंबंध ज्ञात किया गया। प्राप्त विश्वसनीयता गुणांक 0.83 पाया गया, जो यह दर्शाता है कि उपकरण स्थिर, एकरूप एवं विश्वसनीय है। अतः यह उपकरण शोध हेतु उपयुक्त माना गया। "प्रयुक्त प्रत्यक्षीकरण मापनी की विश्वसनीयता पुनः परीक्षण विधि द्वारा ज्ञात की गई, जिसका गुणांक 0.83 प्राप्त हुआ, जो उपकरण की संतोषजनक विश्वसनीयता को प्रदर्शित करता है।"

वैधता (Validity / वैधता)

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त प्रश्नावली की वैधता सुनिश्चित करने के लिए विषयवस्तु वैधता (Content Validity) का प्रयोग किया गया। प्रश्नावली के कथनों का निर्माण शोध के उद्देश्यों के अनुरूप निम्न आयामों को ध्यान में रखते हुए किया गया— इस प्रश्नावली को शिक्षा शास्त्र के 3 विषय विशेषज्ञों, एक शोध मार्गदर्शक तथा एक प्रशासनिक विशेषज्ञ द्वारा जाँच करवाया गया। विशेषज्ञों ने सभी कथनों को विषयानुकूल, स्पष्ट एवं शोध उद्देश्य के अनुरूप माना। इस प्रकार उपकरण की वैधता संतोषजनक पाई गई। "प्रयुक्त प्रश्नावली की विषयवस्तु वैधता विषय विशेषज्ञों एवं शोध मार्गदर्शक द्वारा सत्यापित की गई, जिन्होंने इसे अध्ययन के उद्देश्यों के अनुरूप उपयुक्त माना।"

उद्देश्य 1 पीएम श्री योजना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य को लागू करने पर अध्यापकों के प्रत्याशीकरण का अध्ययन

प्रत्याशीकरण स्तर	पुरुष (%)	महिला (%)	कुल (%)
उच्च	44%	56%	50%
मध्यम	36%	30%	33%
निम्न	20%	14%	17%
कुल	100%	100%	100%

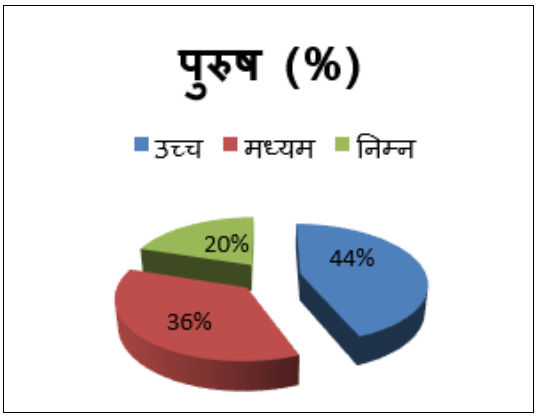

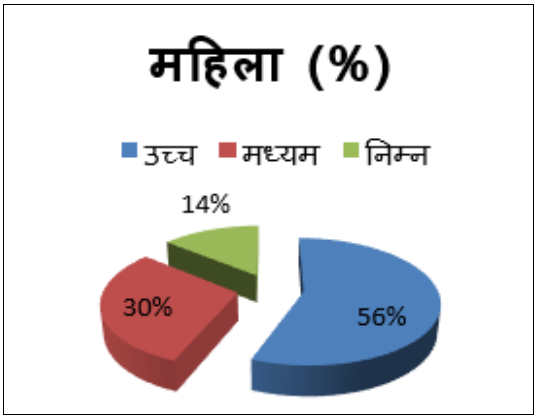

व्याख्या

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि कुल 50% अध्यापकों का प्रत्याशीकरण उच्च स्तर का है। पुरुष अध्यापकों में 44% तथा महिला अध्यापिकाओं में 56% का प्रत्याशीकरण उच्च स्तर का पाया गया। मध्यम स्तर पर कुल 33% अध्यापक पाए गए, जिसमें पुरुष 36% तथा महिला 30% हैं। निम्न स्तर पर केवल 17% अध्यापक पाए गए, जो दर्शाता है कि अधिकांश शिक्षक नीति के उद्देश्यों के प्रति सकारात्मक हैं। इस प्रकार निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि पीएम श्री योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को लागू करने के प्रति अध्यापकों का दृष्टिकोण सकारात्मक है।

उद्देश्य 2: पीएम श्री योजना में गुणात्मक शिक्षण पर अध्यापकों के प्रत्याशीकरण का अध्ययन

प्रत्याशीकरण स्तर	पुरुष (%)	महिला (%)	कुल (%)
उच्च	40%	60%	50%
मध्यम	34%	26%	30%
निम्न	26%	14%	20%
कुल	100%	100%	100%

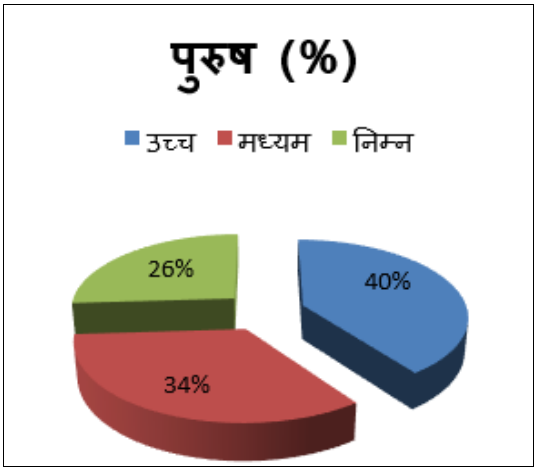

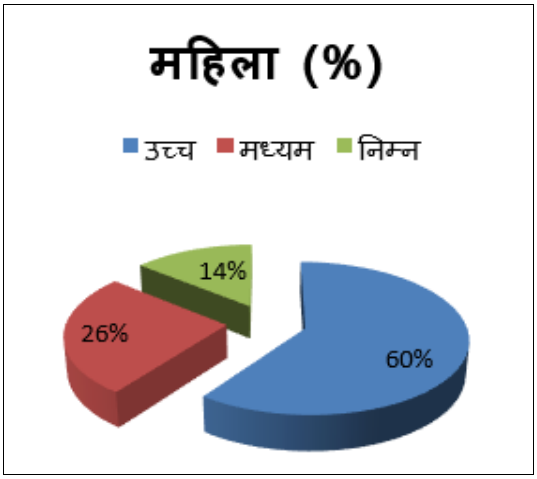

व्याख्या

सारणी 4.2 के अनुसार कुल 50% अध्यापकों का गुणात्मक शिक्षण के प्रति उच्च स्तर का प्रत्याशीकरण है। पुरुषों में 40% तथा महिलाओं में 60% का उच्च स्तर पाया गया। मध्यम स्तर पर कुल 30% अध्यापक हैं, जबकि 20% अध्यापक निम्न स्तर पर हैं। महिला अध्यापिकाओं में निम्न स्तर का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम (14%) है, जो दर्शाता है कि वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रति अधिक जागरूक हैं। यह परिणाम संकेत करता है कि पीएम श्री योजना के अंतर्गत शिक्षण की गुणवत्ता को लेकर अध्यापक विशेष रूप से सजग हैं।

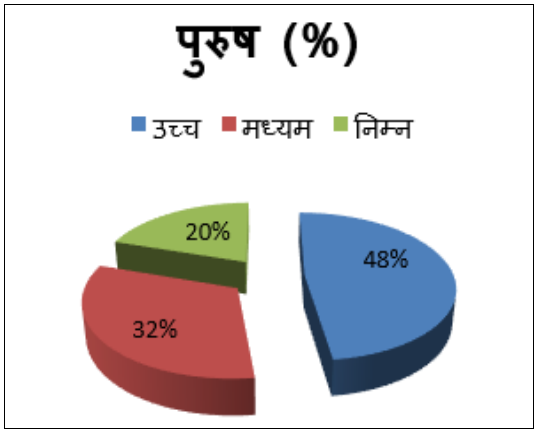

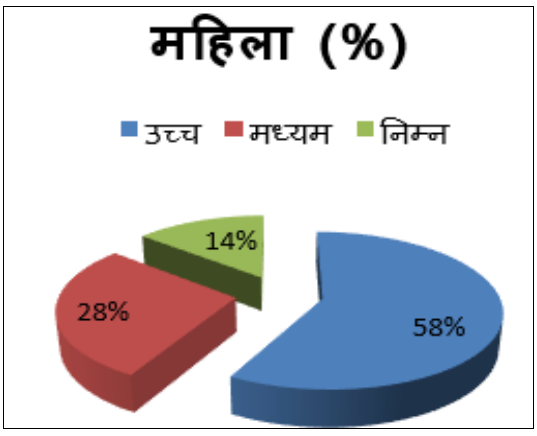

उद्देश्य 3: पीएम श्री योजना के तहत सीखने और संज्ञानात्मक विकास के प्रति अध्यापकों के प्रत्याशीकरण का अध्ययन

प्रत्याशीकरण स्तर	पुरुष (%)	महिला (%)	कुल (%)
उच्च	48%	58%	53%
मध्यम	32%	28%	30%
निम्न	20%	14%	17%
कुल	100%	100%	100%

व्याख्या सारणी 4.3 से स्पष्ट होता है कि कुल 53% अध्यापकों का प्रत्याशीकरण उच्च स्तर का है। पुरुष अध्यापकों में 48% तथा महिला अध्यापिकाओं में 58% का उच्च स्तर पाया गया। मध्यम स्तर पर कुल 30% अध्यापक हैं, जबकि निम्न स्तर पर केवल 17% अध्यापक पाए गए। यह परिणाम दर्शाता है कि अधिकांश अध्यापक विद्यार्थियों के सीखने तथा संज्ञानात्मक विकास को महत्वपूर्ण मानते हैं और उसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं।

परिणाम

तीनों उद्देश्यों में उच्च स्तर का प्रत्याशीकरण 50% से अधिक पाया गया। महिला अध्यापिकाओं का प्रतिशत अधिकांश मामलों में पुरुष अध्यापकों से अधिक पाया गया। निम्न स्तर का प्रतिशत सभी उद्देश्यों में अपेक्षाकृत कम (17–20%) है, जो सकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाता है। समग्र रूप से कहा जा सकता है कि पीएम श्री योजना के अंतर्गत अध्यापकों का दृष्टिकोण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, गुणात्मक शिक्षण तथा संज्ञानात्मक विकास के प्रति सकारात्मक है।

शैक्षिक निहितार्थ (Educational Implications)

अध्यापकों को नियमित रूप से डिजिटल साक्षरता, नवाचार आधारित शिक्षण तथा मूल्यांकन तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। इससे योजना का प्रभाव और अधिक सुदृढ़ होगा। विद्यालयों में पर्याप्त डिजिटल उपकरण, इंटरनेट सुविधा तथा स्मार्ट कक्षाओं की व्यवस्था की जानी चाहिए। संसाधनों की उपलब्धता से अध्यापक अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकेंगे। अध्यापकों पर अतिरिक्त प्रशासनिक बोझ कम किया जाना चाहिए ताकि वे अधिक समय शिक्षण एवं विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में दे सकें। सक्रिय एवं नवाचारी अध्यापकों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे अन्य अध्यापकों में भी सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा। विद्यालय, अभिभावक एवं समुदाय के बीच समन्वय बढ़ाकर योजना के उद्देश्यों को व्यापक स्तर पर सफल बनाया जा सकता है।

ग्रंथ सूची

1. Ministry of Education (2022). पीएम श्री (PM SHRI) विद्यालय योजना: संचालन दिशानिर्देश. नई दिल्ली: भारत सरकार।
2. Government of India (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. नई दिल्ली।
3. NCERT (2022). स्कूल गुणवत्ता मूल्यांकन एवं प्रत्यायन रूपरेखा (SQAAF). नई दिल्ली।
4. CBSE (2022). पीएम श्री विद्यालयों के क्रियान्वयन संबंधी परिपत्र. नई दिल्ली।
5. NITI Aayog (2021). स्कूल शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक (SEQI) रिपोर्ट. नई दिल्ली।
6. UNESCO (2015). शिक्षा 2030: सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट. पेरिस।
7. UNICEF (2019). गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अधिगम परिणाम रिपोर्ट. न्यूयॉर्क।
8. World Bank (2020). वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट: शिक्षा की गुणवत्ता. वाशिंगटन डी.सी.
9. Press Information Bureau (2022). पीएम श्री विद्यालय योजना संबंधी प्रेस विज्ञप्तियाँ।
10. DIKSHA (2023). डिजिटल प्रशिक्षण सामग्री।
11. National Digital Education Architecture (2022). डिजिटल शिक्षा रूपरेखा दस्तावेज।
12. Parakh (2023). राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन रिपोर्ट।